

केस अध्ययन

1. धन्नो को 30 नवम्बर को सुबह 8:20 पर बच्चा पैदा हुआ। प्रसव के समय 8 माह 5 दिन का गर्भकाल पूरा हो चुका था। शिशु का वज़न 1 कि. 950 ग्रा. था। शिशु पहले 6 दिनों तक बिल्कुल ठीक था। सातवें दिन जब आशा वहाँ गई, उसने पाया कि शिशु ने स्तनपान करना बंद कर दिया है और उसका पेट फूला हुआ है। उसकी साँस तो ठीक चल रही थी, पर उसका रोना कमज़ोर था। उसका वज़न 1 कि 900 ग्रा. था।

आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया, क्योंकि शिशु ने दूध पीना बंद कर दिया था और उसका पेट फूला हुआ था।

आप सबसे पहले क्या करेंगी ?

शिशु का क्या उपचार किया जाएगा ? (कितनी खुराक/कितने दिन)

आप शिशु को देखने कितनी बार जाएँगी ?

आप माता-पिता को शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में क्या बताएँगी ?

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

2. विमल ने जन्म के अनुमानित समय से 1 हफ्ते बाद शिशु को जन्म दिया। उसका वज़न 2.9 कि.ग्रा. था। वह तन्दुरुस्त और स्वस्थ था। आशा ने विमल को उसे स्तनपान कराने में मदद की और 1 घंटे पर उसकी जाँच की।

दसवें दिन माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ रहा है। उसका तापमान 93° फ़ै (33.9° सें) पाया गया। उसका वज़न 3 कि.ग्रा. था।

वह दूध भी पी रहा था और रो भी रहा था, पर उसकी छाती अंदर को धँसी थी।

उसका पेट मुलायम था और हाथ-पैर भी ठीक थे।

उसकी नाल ठीक हो चुकी थी।

आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

आप सबसे पहले क्या करेंगी।

आप क्या उपचार देंगी ? (और क्यों) :

जाने से पहले आप माता-पिता को क्या-क्या बताएँगी ?

आप कितनी बार शिशु को देखने जाएँगी ?

3. काजूबाई को चौथा बच्चा होने वाला था।

शिशु का जन्म 7 महीने 27 दिन के गर्भकाल पूरा होने पर हुआ और उसका वज़न 1.65 कि.ग्रा. था।

शिशु ने 14 दिन तक स्तनपान नहीं किया।

पन्द्रहवें दिन उसने स्तनपान किया।

सत्रहवें दिन शिशु को दो बार उल्टी हुई पर वह स्तनपान करता रहा। वह ठंडा नहीं पड़ा था और ठीक से रो भी रहा था। अठ्ठाइसवें दिन उसका वज़न 2.250 कि.ग्रा. हो गया था। आशाने दूसरे महीने में शिशु के घर जाना जारी रखा और उसका वज़न बढ़ाने की और अधिक कोशिश की।

पैंतालीसवें दिन शिशु के हाथ और पैर लुंज पुंज थे और माँ ने बताया कि शिशु का शरीर छूने पर ठंडा लगता है। आपने उसका तापमान लिया और 94° फ़ै (34.4° सें) पाया और आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

शिशु में जन्म के समय खतरे वाले क्या लक्षण दिखाई दिए ?

सेप्सिस (जन्तुदोष) की पहचान के लिए कौन से मापदण्ड (लक्षण) ध्यान में रखे गए ?

आप माता-पिता को समस्या के बारे में कैसे समझाएँगी ?

उपचार के लिए आप कितनी खुराक देंगी और कितने दिनों तक ?

शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में आप माता-पिता को क्या बताएँगी ?
